

❀ ज्ञान-

- 1] समझेंगे हम तो शिवबाबा के ही साथ थे। शिवबाबा को ही याद करते थे परन्तु सचमुच याद में थे? बिल्कुल साइलेन्स में रहने से फिर यह दुनिया भी भूल जाती है। आपके को ठगना नहीं है कि हम तो शिवबाबा की याद में हैं। देह के सब धर्म भूल जाने चाहिए।
- 2] परन्तु यह याद की यात्रा बहुत जरूरी है। कहाँ भी जाते हो, मुसाफिरी करते हो, उठते, बैठते, खाते याद कर सकते हो। आशिक-माशिक कहाँ भी याद करते हैं ना। यह भी ऐसे है। बाप को याद तो करना ही है, नहीं तो विकर्म कैसे विनाश होंगे। और कोई उपाय है नहीं। यह बहुत महीन है।
- 3] तलवार की धार से चलना होता है। याद है तलवार की धार। घड़ी-घड़ी कहते हैं याद भूल जाती है। तलवार क्यों कहते हैं? क्योंकि इनसे पाप कटेंगे, तुम पावन बनेंगे। यह बहुत नाजुक है। जैसे वो लोग आग से पार करते हैं, तुम्हारे फिर बुद्धियोग चला जाता है बाप के पास। बाप आये हैं यहाँ, हमको वर्सा देते हैं। ऊपर में नहीं है, यहाँ आये है। कहते हैं साधारण तन में आता हूँ। तुम जानते हो बाप ऊपर से नीचे आया है।
- 4] पद कम हो जायेगा इसलिए बाप कहते हैं अपने पर बहुत नज़र रखनी है। बाबा सवेरे आकर किनी मेहनत कराते हैं याद के यात्रा की। यह बहुत भारी मंज़िल है। नॉलेज को तो सस्ती सब्जेक्ट कहेंगे। 84 का चक्र याद करना बड़ी बात नहीं है। बाकी भारी माल है याद की यात्रा, जिसमें फेल भी बहुत होते हैं। तुम्हारी युद्ध भी इसमें है।

❀ योग-

- 1] याद की यात्रा में रहो तो तुम्हारे पाप कट जायेंगे, क्योंकि याद है तलवार की धार।
- 2] आत्मा पर जो कट चढ़ी हुई है वह याद के बिगर तो उतरेगी नहीं। भक्ति में अनेकों को याद करते हो। यहाँ याद करना है एक को। हम आत्मा छोटी बिन्दी हैं। तो बाबा भी छोटी बिन्दी बहुत-बहुत सूक्ष्म है।

❀ धारणा-

- 1] सारे दिन में क्या करते? वह तो हुई सुबह में घण्टा आधा घण्टा याद की यात्रा, जिससे आत्मा पवित्र बनती है, आयु बढ़ती है। परन्तु सारे दिन में कितना याद करते हैं? कितना स्वदर्शन चक्रधारी बनते हैं?
- 2] अपने से पूछो— सारे दिन में हमने अपने को आत्मा समझ बाप को कितना याद किया, जो कट निकले? कितनों को आपसमान बनाया? यह पोतामेल हर एक को अपना रखना है। जो करेगा वह पायेगा, नहीं करेगा तो पछतायेगा। देखना है हमारा कैरेक्टर सारे दिन में कैसा रहा? कोई को दुःख तो नहीं दिया या फालतू बात नो नहीं की? चार्ट रखने से कैरेक्टर सुधरेगा। बाप ने रास्ता बताया है।
- 3] बच्चों को अपने चार्ट का ओना रखना है। ऐसे नहीं, हम तो भाषण कर सकते हैं, चार्ट रखने की हमको क्या दरकार है ! यह भूल नहीं करनी है। महारथियों को भी चार्ट रखना है। महाराथी बहुत नहीं हैं, गिने चुने हैं।
- 4] बाबा हमेशा कहते हैं भाषण करने से पहले लिखो, फिर जांच करो। ऐसी मेहनत करते नहीं। सब प्वाइंटस् किसको याद नहीं रहती है।
- 5] बाप कहते हैं याद का जौहर नहीं है इसलिए वाणी में भी कशिश नहीं होती है। यह भी ड्रामा। अब फिर अच्छी तरह जौहर धारण करो।

❀ सेवा-

- 1] नॉलेज तो बड़ी सिम्पल है। सिर्फ युक्ति से समझाना होता है। जबान में मिठाज़ भी चाहिए।
-